

अफलाकांक्षी वि. (तत्.) अफल या फलहीनता की चाह करने वाला, व्यर्थ की आकांक्षा करने वाला।

अफलातून पुं. (तत्.) (यूनानी प्लेटो से अरबी में अफलातून) प्राचीन यूनान का प्रमुख दार्शनिक विद्वान, जिसका नाम प्लेटो था।

अफलातूनी वि. (अर.) अफलातून से संबंधित।

अफलित वि. (तत्.) फलरहित, परिणामहीन।

अफली वि. (तत्.) 1. जिसमें फल न हो 2. जो फल देने में असमर्थ हो 3. निरर्थक।

अफवाह स्त्री. (अर.) उड़ती खबर, निराधार समाचार, अप्रमाणित वृत्त।

अफवाहन पुं. (अर.) उड़ती खबर के तौर पर।

अफसर पुं. (अं.) अधिकारी, किसी कार्यालय का प्रशासक, प्रमुख प्रशासक।

अफसराना वि. (अं.अफसर) अधिकारी की तरह का, अधिकार से युक्त, अधिकारिता पूर्ण।

अफसरी स्त्री. (अं.देश.) प्रमुखता, प्रधानता, अधिकारिता।

अफसाना पुं. (फा.) 1. उपाख्यान, कथा, कहानी, आख्यायिका 2. किसी घटना का वर्णन।

अफसोस पुं. (फा.) 1. पश्चात्ताप 2. दुख, खेद।

अफसोसनाक वि. (फा.) शोकप्रद, दयनीय, अमंगल कारक, दुखद।

अफीम स्त्री. (अर.) पोस्त की डोंडियों से निकलने वाले दूध को सुखाने से प्राप्त मादक पदार्थ (गोंद), जिसका प्रयोग औषधि और नशे के लिए होता है।

अफीमची पुं. (अर.) नशे के लिए अफीम खानेवाला, जिसे अफीम खाने की लत हो।

अफीमी वि. (अर.) अफीम से युक्त या संबंधित पुं. अफीम के प्रयोग और खाने का अभ्यस्त।

अफुल्ल वि. (तत्.) 1. जो फूला या विकसित नहीं है, अविकसित 2. जो (वृक्ष) फूलों से युक्त नहीं है।

अफेन वि. (तत्.) फेनरहित, बिना झाग का पुं. अफीम, अहिफेन।

अबंध वि. (तत्.) 1. जो बंधन-मुक्त हो, बंधनहीन, स्वच्छंद 2. हस्तक्षेप-हीन।

अबंधु वि. (तत्.) जिसका कोई बंधु नहीं, मित्रहीन, एकाकी।

अबंध नीति वि. (तत्.) दे. अहस्तक्षेप नीति।

अबंध्य वि. (तत्.) 1. नहीं बाँधने योग्य, बंधनरहित 2. नियंत्रणरहित।

अब क्रि.वि. (तद्.) इस समय, इस क्षण, इस अवसर पर, फिलहाल, अब का, वर्तमान काल का, हाल का, अब जाकर लंबी प्रतीक्षा के बाद, इस समय, इतनी देर बाद, अब-तब, कभी न कभी अब से, आगे से, आइंदा मुहा. अब-तब करना-आज-कल करना, टालमटोल करना; अब-तब लगना या अब तब होना-जाने की घड़ी समीप होना।

अबड़-धवड़ वि. (अनु.) बिना मेल का, अस्त-व्यस्त पुं. हड़बड़ी।

अबद्ध वि. (तत्.) 1. जो बंधा न हो, बंधनरहित, स्वच्छंद, मुक्त 2. संगी. स्वर की तान को बीच में ही छोड़ देने की विधा वि. (तत्.) 2. बुद्धिहीन, नासमझ, मूर्ख।

अबद्धमूल वि. (तत्.) जिसका मूल दृढ़ न हो, कमजोर जड़ वाला।

अबरक पुं. (तद्.) अभ्रक, सफेद चमकीले वरक के रूप में उपलब्ध धातु दे. अबरख।

अबरख पुं. (तद्.) (अर.) एक प्रकार का चमकीला भंगुर खनिज जो चट्टान की पट्टियों के रूप में प्राप्त होती है, इसका प्रयोग विद्युत्तरोधी ऊष्माचालक के रूप में इस्तिरी में होता है इसके भस्म से औषधि बनाई जाती है।

अबरखी वि. (हि.अबरक) अभ्रक धातु से संबंधी, अभ्रक से युक्त अभ्रक जैसा।